हार से खफा मुलायम ने भंग की सपा की प्रदेश कमेटी पेज 11 | थाइलैंड में सेना ने संभाली सत्ता

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

शुक्रवार, 23 मई 2014, कानपुर, पांच प्रदेश, 18 संस्करण, नगर संस्करण

www.livehindustan.com

गरीबों तक साफ पानी पहुंचाने का मॉडल है अक्षय जल का एटीएम

सीख

कानपुर | प्रमुख संवाददाता

इनोवेटिव दौर में नए बिजनेस आइडिया कितने हिट होते हैं, इसकी ताजा नजीर है- अक्षय जल। बीस रुपए वाली मिनरल वाटर से इक्कीस अक्षय जल की कीमत है मात्र 25 पैसे लीटर। इसके बावजूद अच्छे मुनाफे के साथ अमीरों के साथ गरीबों को साफ पानी पिलाने का सामाजिक फर्ज भी पूरा हो रहा है। लेकिन इस सिस्टम के पीछे दूर की सोच और कुशल मैनेजमेंट की जरूरत है। तीन युवाओं की कंपनी श्री ग्लोबल वेंचर्स ने पानी के कारोबार में उतरने की साहसिक पहल की। एक वाटर एटीएम की इस शुरुआत को वह दो साल में 25 वॉटर एटीएम प्लांट में तब्दील करने के लक्ष्य में लगे हैं।

खर्च में कटौती और मार्केटिंग के संतुलन को साधने के लिए कंपनी के निदेशक सीए वैभव बाजपेयी चीफ फायनेंशियल ऑफिसर हैं तो ऋषभ सक्सेना सीईओ का जिम्मा संभाले हैं। एनआरआई अक्षय भार्गव टेक्नोलॉजी सपोर्ट, यूनिट डिजायन और प्रोक्योरमेंट देखते हैं।

500 रुपए में खुलता है वाटर एटीएम एकाउंट: अपने बर्तन में पानी लेना मना है क्योंकि इससे पानी की अशुद्धि का खतरा है। एटीएम कार्ड और जार की सिक्योरिटी 300 रुपए लेकर जार दिया जाता है। जबकि 200 रुपए की वैल्यू एटीएम कार्ड में डाली जाती है, जिसे 50 रुपए से रिचार्ज कराया जा सकता है।

खर्च में कटौती और मार्केटिंग के संतुलन को बनाने को कंपनी के निदेशक सीए वैभव बाजपेयी चीफ फायनेंशियल ऑफिसर हैं

पानी की आती है ऑटोमेटिक रिपोर्ट

● पानी का पहले सैंड फिल्टर होता है, जिसमें बालू जैसी अशुद्धियां दूर होती हैं ● यहां से पानी कॉट्स फिल्टर से गुजरता है, जो पानी में मौजूद नुकसानदायक केमिकल्स को दूर करता है ● तीसरे स्टेज में कैल्शियम और दूसरे केमिकल्स को फिल्टर किया जाता है● इसके बाद तीन चरणों में पानी आरओ सिस्टम से गुजरता है ● इससे निकला पानी डोजिंग पम्प से गुजरता है, जो पानी में जरूरी केमिकल्स की कमी की सूचना देता है और मिनरल की कमी दूर करता है● फिर पीएच वैल्यू इंडीकेटर पानी में मौजूद इस समस्या को दूर करता है ● नल से बाहर आने से ठीक पहले पानी एक बार फिर अल्ट्रा वायलेट फिल्ट्रेशन से गुजरता है ● प्लांट रोजाना आटोमेटिक परफार्मेंस रिपोर्ट जनरेट करती है ● आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम के जरिए रिपोर्ट में पानी की क्वालिटी रोज आती है ● कोई भी शिकायत या समस्या होने पर प्लांट से संबंधित लोगों को आटोमेटिक एसएमएस चला जाता है।

मशीन में कार्ड लगाते हैं निकलेगा पानी।

भविष्य की हैं योजनाएं

● ठंडे पानी की मांग देखते हुए जल्द चिलर प्लांट लगाया जाएगा, जिसके 20 लीटर जार की कीमत 15 रुपए होगी ● कानपुर में 20 प्लांट लगाए जाएंगे, जो तीन किलोमीटर के दायरे में होम डिलीवरी करेंगे ● नई सप्लाई में टैब फिल्टर केन आएंगे, जो फूड ग्रेड क्वालिटी के होंगे, जिसमें पानी खराब नहीं होगा ● जार की सफाई के लिए कन्वेयर बेल्ट खरीदी जाएगी, जिसमें भाप से जार साफ होंगे ● अभी कानपुर टेस्ट लैब से कराते हैं जांच, फिर खुद की होगी मोबाइल टैस्ट लैब ● गांव में सोलर प्लांट से चलने वाला अक्षय जल, जिसकी लागत 30 लाख रुपए

रखरखाव भी किफायती

अक्षय जल एक प्लांट के लिए सिर्फ 200 वर्गफुट जगह चाहिए। 20-25 लाख की लागत वाले इस प्लांट को चलाने के लिए दो कर्मचारी लगे हैं। इन्हें शुरुआती प्रशिक्षण प्लांट लगाने वाली चीनी कंपनी के ट्रेनर देते हैं।

कानपुर के वैभव ने दिखाई नई राह

कुछ अलग

वाटर एटीएम से 5 रुपए में 20 लीटर पानी

कानपुर | अभिषेक गुप्त

आपने नोट उगलने वाले एटीएम तो खूब देखे होंगे लेकिन पानी उगलने वाले एटीएम के बारे में पहली बार सुनेंगे। बैंक डेबिट कार्ड की तरह वाटर एटीएम प्रीपेड कार्ड भी कानपुर में आ गया है। यूपी के इस पहले वाटर एटीएम को कानपुर के युवा ने ही पेश किया है। इसके जरिए सिर्फ पांच रुपए में बीस लीटर शुद्ध पानी मिल रहा है। कारोबार के साथ सामाजिक सरोकार से जुड़ी इस नायाब पहल को गरीब-अमीर सभी ने सिर आंखों पर लिया है।

त्रिवेणी नगर निवासी युवा प्रोफेशनल वैभव बाजपेयी और ऋषभ सक्सेना ने वाटर एटीएम का पहला प्लांट इंदिरा नगर में लगाया है, जिसका नाम है अक्षय जल। छोटा सा यह प्लांट चीन का है, जिसके लिए उन्होंने चीन की कंपनी चैंजा वैटर के साथ करार किया है। कंपनी के कर्ताधर्ता एनआरआई अक्षय भार्गव हैं। 25 लाख रुपए के इस प्लांट की क्षमता 30 हजार लीटर प्रतिदिन की है। इससे 20-20 लीटर के 1500 जार भरे जा सकते हैं।

बोरिंग के इस पानी को 11 स्तरों से गुजारा जाता है, तब तैयार होता है मिनरल वाटर। इसे बेचने के लिए उन्होंने दो रास्ते अपनाए हैं। एक वाटर एटीएम और दूसरा होम डिलीवरी। जार की सिक्योरिटी छोड़ दें तो मात्र 50 रुपए में वाटर एटीएम मिल जाता है। मशीन में कार्ड टच करने के साथ जार टैब के नीचे लगाइए और बीस लीटर पानी ले जाइए। जिसकी कीमत है सिर्फ 5 रुपए जबकि होम डिलीवरी के रेट हैं 10 रुपए। ● मजबूत का है बिजनेस-पेज4

हल्के में न लें पानी

- 5 फीसदी बच्चे हर साल मर जाते हैं गंदा पानी पीकर
- 21 फीसदी बीमारियों की जड़ होता है प्रदूषित पानी
- 1600 लोग रोज डायरिया से हो रहे मौत का शिकार
- प्रदूषित पानी पीकर बीमार बच्चों की वजह से 443 अरब स्कूली दिनों का नुकसान
- जलजनित बीमारियों की वजह से हर 21 सेकेंड में मर जाता है एक बच्चा
- 40 अरब घंटे सिर्फ पानी भरने में बर्बाद कर देती हैं महिलाएं

(भारत की यह रिपोर्ट विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जारी की है)

बेहद किफायती

इतने हाईटेक प्लांट से कैसे इतना सस्ता पानी बेच लेते हैं? जवाब में वैभव ने कहा कि 20-25 लाख में एक प्लांट तैयार होता है। सिर्फ तीन किलोमीटर की रेंज में हम डायरेक्ट होम डिलीवरी करते हैं। बीच में कोई डीलर या एजेंट नहीं है। प्लांट चलाने के लिए सिर्फ दो कर्मचारी हैं। एटीएम तो इनवर्टर से ही चल जाता है। इसीलिए 25 पैसे लीटर में सौ फीसदी शुद्ध पानी दे रहे हैं जो विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों पर खरा है।